GLOBAL ALLIANCE FOR Mass Entrepreneurship

ग्लोबल अलायन्स फॉर मास आंत्रप्रेन्यरशिप (गेम) और सिडबी ने एनबीएफसी ग्रोथ ऐक्सीलरेटर प्रोग्राम की डिजाइन और क्रियान्वयन के लिए साझेदारी की

बेंगलुरु, 7 जून, 2023 : ग्लोबल अलायन्स फॉर मास आंत्रप्रेन्यरशिप (गेम) ने एक स्थायी और मापनीय एनबीएफसी ग्रोथ ऐक्सीलरेटर प्रोग्राम (एनजीएपी) की डिजाइनिंग और संरचना के लिए सिडबी से सैद्धांतिक स्वीकृति प्राप्त की है। यह भारत में अपनी तरह की पहली स्वीकृति है।

इस प्रोग्राम के पहले चरण में, गेम द्वारा एनजीएपी के लिए प्रोग्राम संरचना, प्रायोगिक रणनीति, तथा कार्यान्वयन योजना के साथ एक व्यापक, व्यवहार्य, और आँकड़े-आधारित विस्तृत रिपोर्ट की डिजाईन शामिल है। रिपोर्ट में आकार में छोटे लेकिन एमएसई सेगमेंट पर केन्द्रित लगभग 20 एनबीएफसी के मूल्यांकन और चयन हेतु मानदंड भी शामिल होंगे, जो प्रायोगिक समूह का हिस्सा बनेंगे।

एनजीएपी का लक्ष्य वैश्विक उत्प्रेरकों (ग्लोबल ऐक्सीलरेटर) की तर्ज पर एक संरचित मॉडल प्राप्त करना है। इस मॉडल से टियर-3 और टियर-4 शहरों में एमएसई की ज़रुरत पूरी करने वाली लघु एनबीएफसी को, या बृहत्तर वैल्यू चेन में सबसे निचले स्तर के आपूर्तिकर्ताओं को सेवा देने वाली शहरी एमएसई को मदद मिलेगी और उनकी क्षमता बढ़ने के साथ-साथ बैंक या अपेक्षाकृत बड़ी एनबीएफसी से संस्थागत फंडिंग के लिए योग्यता प्राप्त होगी। इस प्रोग्राम में एनबीएफसी की तरक्की के लिए आधाररेखा और उचित क्षमता निर्माण से सम्बंधित मध्यवर्तन प्राप्त करने के लिए मूल्यांकन ढाँचा शामिल होगा। इन मध्यवर्तनों में बड़े इकोसिस्टम के विशेषज्ञों और मार्गदर्शकों का लाभ उठाया जाएगा और इसमें अनेक आयाम शामिल होंगे। इसमें उन एनबीएफसी के लिए सिडबी की ओर से फंडिंग सम्मिलित है जो क्षमता निर्माण प्रोग्राम से मजबूत बनकर उभरेंगी और इस प्रकार बैंकों/वित्तीय संस्थानों से फंडिंग के लिए आवेदन करने हेतु समूह भागीदारों की तत्परता प्रदर्शित करेंगे। इस प्रकार की एनबीएफसी का मूल्यांकन प्रोग्राम के अंत में थर्ड-पार्टी ऑडिट द्वारा किया जाएगा।

सिडबी की सक्रिय भागीदारी के साथ एनजीएपी के अगस्त 2023 से आरम्भ होने की उम्मीद है।

श्री सिवासुब्रमण्यिन रमन, सीएमडी, सिडबी, ने कहा, "एक विकास संस्थान के तौर पर, सिडबी अलग-अलग जगहों एवं वर्गों में छोटी एनबीएफसी की क्षमता निर्माण करने का प्रयास कर रहा है ताकि उन्हें किफायती दरों पर बैंक से ऋण प्राप्त करने में सक्षम बनाया जा सके। इससे एमएसएमई सेक्टर में सहयोग का प्रवाह बढ़ेगा। एनजीएपी को एनबीएफसी की पूरी कार्यप्रणाली में आने वाली रुकावटों को दूर करने में मदद करनी चाहिए और इस तरह बैंकों को छोटी बिना रेटिंग वाली एनबीएफसी को ऋण देने के लिए ज्यादा भरोसा मिलेगा।"

इस सहयोग के बारे में विस्तार से बताते हुए, **गेम के फाउंडर, श्री रवि वेंकटेशन** ने कहा कि, "एनजीएपी ढाँचे का अंतिम लक्ष्य एनबीएफसी के लिए उचित दर पर संस्थागत फंडिंग की सुलभता की एक बड़ी व्यवस्था तैयार करना है ताकि इसके लाभ को एमएसएमई को हस्तांतरित किया जा सके। एनबीएफसी उचित रूप से एमएसएमई सेगमेंट को सेवा देने के लिए उपयुक्त हैं और क्षमता निर्माण का एक मॉडल तैयार करके एनजीएपी एक सस्टेनेबल मॉडल बनेगा जिससे फण्ड देने वाले संस्थानों, एनबीएफसी और एमएसएमई को लाभ होगा। एनजीएपी एमएसएमई को बड़े पैमाने पर ऋण पर केन्द्रित मजबूत एनबीएफसी की पाइपलाइन सुनिश्चित करेगा।

GLOBAL ALLIANCE FOR Mass Entrepreneurship

गेम के विषय में :

गेम का उद्देश्य भारत में मास आंत्रप्रेन्यरशिप (एमई) की संभावना के द्वार खोलना है। तीन सफल उद्यमियों, रवि वेंकटेशन, मदन पड़की, और मेकिन माहेश्वरी ने अगस्त 2018 में एक बैकबोन संगठन के रूप में गेम की शुरुआत की थी, जो इकोसिस्टम के साथ पंक्तिबद्ध है और भारत में नौकरी के सृजन की सर्वांगीण चुनौतियों के हल के लिए कारवाई संघटित करता है। गेम का लक्ष्य इकोसिस्टम में विभिन्न अलायन्स, पार्टनर्स, फण्ड प्रदाताओं, और अन्य भागीदारों को एकजुट करता है जो पूरे देश में एक उद्यमिता आन्दोलन को प्रेरित करने में मदद कर सकें। इसका मिशन मौजूदा और नए उद्यम, दोनों के विकास के लिए सार्वजनिक उद्यमिता के भारत-व्यापी आन्दोलन में तेजी लाना है, जिससे कि वर्ष 2030 तक 25% व्यवसायों में महिलाओं के स्वामित्व के साथ 50 मिलियन नयी नौकरियों को सृजन हो सके। ज्यादा जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट देखें : https://massentrepreneurship.org/.